Kanand B.A II Hon's 24/01/2022

Q.2. ~~विधियाँ - रेटिंग और कोटि - विधियाँ केस - इतिहास और~~ साक्षात्कार

Ans. विधियाँ — शिक्षा मनोविज्ञान मनोविज्ञान की एक प्रयुक्त शाखा (applied branch) है। शिक्षा मनोविज्ञान का सबसे मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के आवश्यक कौशल (skills) तथा क्षमताओं (Competencies) को इस लायक बनाना है कि वे विभिन्न शैक्षिक स्तरों (educational levels) पर शिक्षार्थियों (Learners) के व्यवहारों को समझ सकें, नियंत्रित कर सकें तथा उसके बारे में पूर्वकथन (Predication) कर सकें। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए शिक्षा मनोवैज्ञानिक अपनी विभिन्न विधियों (methods) द्वारा शिक्षार्थियों के व्यवहारों से संबंधित समस्याओं का अध्ययन करने के लिए आँकड़ों का संग्रहण करता है। इन विधियों में अधोंकित विधि अधिक महत्वपूर्ण है -

1. अन्तर्निरीक्षण विधि (Introspection method)
2. वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि (Objective observation method)
3. प्रयोगात्मक विधि (Experimental method)
4. सह - संबंधात्मक या विभेदी विधि - (correlational or differential method)
5. मनोदैहिक विधि (Psychophysical method)
6. नैदानिक विधि (Clinical method)
7. प्रश्नावली विधि (Questionnaire method)
8. साक्षात्कार विधि (Interview method)
9. रेटिंग विधि (Rating method)
10. कोटि विधि (Ranking method)

उपयुक्त वर्णित केस विधियों दर्शाते हैं

२७/०१/२०२१

श्री गणेशाय नमः — R Nand B.A II Hons

~~[illegible]~~

→ • रेटिंग विधि – (Rating method)

रेटिंग विधि को इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है,

शिक्षा मनोविज्ञान में रेटिंग विधि (Rating method) का भी अधिक प्रयोग किया जाता है। यह विधि रेटिंग मापनी (Rating scale) के नाम से अधिक लोकप्रिय (popular) है। इस विधि में शिक्षा मनोवैज्ञानिक बालक या बालकों के व्यवहार की धारणा एक दिए गए कुछ वर्गी मापनी (category scale) पर किसी स्वाभाविक परिस्थिति (natural situation) में जैसे वर्ग (classroom) में खेल के मैदान में करते हैं।

जैसे यदि कोई शिक्षक वर्ग में किसी बालक में शिष्टाचार (discipline) संबंधी आदतों का प्रेक्षण करके 5 बिन्दु (5-point) मापनी (scale) जैसे अत्यधिक सहमत (strongly agree), सहमत (agree), तटस्थ (Neutral), असहमत (disagree) तथा अत्यधिक असहमत (strongly disagree) पर रेटिंग करता है अर्थात् उसके शिष्टाचार संबंधी आदतों का एक तरह से श्रेणीकरण करता है, और एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचता है, तो यह रेटिंग विधि (rating method) द्वारा किया गया अध्ययन का एक नमूना होगा, स्पष्ट है कि रेटिंग विधि का आधार शिक्षक द्वारा किया गया प्रेक्षण (observation) ही होता है।

वैसे तो रेटिंग विधि के कई प्रकार (Types) हैं, परन्तु शिक्षा मनोविज्ञान में मूलतः निम्नांकित तीन तरह के रेटिंग का प्रयोग अधिक किया जाता है

1.) सांख्यिक रेटिंग विधि (Numerical rating method)
2.) आकृतिक रेटिंग विधि (Graphic rating method)
3.) बाधित चयन रेटिंग विधि (Forced choice rating method)

K. Nand B.A II Hons (conti....)
24/01/2022

इन तीनों तरह के मापनी तथा उनकी शैक्षिक उपयोगिताएँ (educational usefulness) निम्नांकित हैं —

(1) → आंकिक रेटिंग विधि (Numerical rating method) —
आंकिक रेटिंग विधि Numerical rating method, — वैसी विधि को कहा जाता है जिसमें शिक्षकों को जो प्रेक्षक (Observer) या रेटर (Rater) का काम करते हैं, निश्चित अंकों का एक क्रम (sequence) दिया जाता है। ये सभी अंक अच्छी तरह परिभाषित होते हैं। तथा शिक्षक बालकों या शिक्षार्थियों (Learners) को अपने सामान्य अनुभव के आधार पर परिभाषाओं के अनुसार अंक प्रदान करते हैं और इन अंकों का योग ज्ञात करके उनका सांख्यिकीय विश्लेषण (statistical analysis) कर एक एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है। आंकिक रेटिंग विधि का एक उदाहरण इस प्रकार है —

	स. सहमत	असहमत	तटस्थ
i) रमेश वर्ग में समय पर आता है	3	2	1
ii) रमेश गृह-कार्य बनाकर वर्ग में आता है	3	2	1
iii) रमेश में अनुशासनप्रियता का गुण अधिक है	3	2	1

इस तरह से कई कथन होते हैं और शिक्षक या शिक्षा मनोवैज्ञानिक प्रत्येक कथन को पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया दिए गए बिन्दुओं (Points) (यहाँ 3-बिन्दु मापनी है) में से किसी एक अंक (Number) को देखकर अंकित करता है। बाद में प्रत्येक ऐसे अंकों को जोड़कर उसका सांख्यिकीय विश्लेषण कर शिक्षक बालक या शिक्षार्थी के शीलगुण के बारे में एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचते हैं।